कलीसा क्या है? ईश्वर की कलीसा क्या होती है?

यह सवाल कई लोगों को उलझाता है क्योंकि वे सोचते हैं कि कलीसा केवल एक इमारत है। लेकिन कलीसा का असली मतलब यही नहीं है। ‘कलीसा’ शब्द ग्रीक भाषा के शब्द एक्लेसिया से आया है, जिसका अर्थ है “बुलाए गए लोग”। नए नियम के समय में एक्लेसिया किसी भी मसीही समूह को कहा जाता था – यानी बुलाए गए लोग। यह सभा दो या अधिक लोगों की भी हो सकती है, जैसा कि यीशु ने स्वयं कहा:

मत्ती 18:20:
“क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम से एकत्रित होते हैं, मैं उनके बीच में होता हूँ।”

इसलिए यह समझा गया कि जहाँ भी मसीह में विश्वास करने वाले लोग इकट्ठा होते हैं – चाहे वह घर हो, मंदिर हो, सिनेगॉग हो या कोई भी स्थान – अगर वे उसके नाम से इकट्ठा होते हैं, तो वह कलीसा है, चाहे आसपास के हालात कैसे भी हों।

पौलुस ने लिखा है:

गलातियों 1:13:
“तुम ने मेरे पुराने यहूदी धर्म में जीवन के बारे में सुना
है, कि मैं परमेश्वर की कलीसा को अत्यधिक उत्पीड़ित करता था
और नष्ट करता था।”

देखा? यहाँ कलीसा को इमारत नहीं, बल्कि मसीहियों के रूप में बताया गया है जिन्हें पौलुस ने सताया था। तो कलीसा क्या है? यह बुलाए गए लोगों का समूह है (या सरल भाषा में मसीही लोगों का समुदाय)।

संक्षेप में, कोई भी सभा जो मसीही नहीं है, यानी जो मसीह को उस सभा का मुख नहीं मानती, चाहे वह कितनी भी बड़ी हो, चाहे वह कितनी भी बड़ी इमारत में हो, चाहे वह कितनी भी व्यवस्थित हो – वह बाइबिल के अनुसार कलीसा नहीं हो सकती। वह उस शरीर के समान है जिसका सिर नहीं है – वह मृत है। इसी तरह बिना मसीह के कोई भी सभा कलीसा नहीं हो सकती।

पौलुस आगे लिखते हैं:

इफिसियों 1:20-23:
“जिसने मसीह में जो उसे मृतकों में से जीवित किया, उसी के द्वारा उसे स्वर्गीय स्थानों में परमेश्वर के दाहिने हाथ
पर बिठाया, जो हर राज, सत्ता, सामर्थ्य और अधिकार से ऊपर है,
न केवल इस संसार में बल्कि आने वाले संसार में भी; और उसने
सब कुछ उसके पैर के नीचे समर्पित किया, और उसे सब कुछ का सिर बना दिया, जो कलीसा के लिए है, जो उसका शरीर है, उसका पूर्णता जिसमें सब कुछ सभी में पूर्ण होता है।”

आमीन।

प्रश्न, प्रार्थना, सलाह या उपासना समय के लिए हमसे इन नंबरों पर संपर्क करें:
+225693036618 / +225789001312

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp